



चाधरा चरण सिंह हारयाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दिन 4 जागरण	22-7-23	3	1-6

युवाओं की रगों में राष्ट्रीयता की भावना जरूरी : सुरेश जैन

अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने की, छात्राओं का समाज में अहम योगदान

जागरण संवाददाता, हिसार : राष्ट्रीय एकता शिविर से युवाओं में व्यक्तिगत विकास किया जा सकता है। आत्म-विश्लेषण व आत्म-विश्वास अपने अंदर जरूर पैदा करें, उससे ही आपका व्यक्तिगत विकास होगा। तभी देश के सामाजिक विकास में हम अहम योगदान दे सकेंगे। ये विचार वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता सुरेश जैन ने कहे, जोकि चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय सभागार में आयोजित राष्ट्रीय एकता शिविर के तीसरे दिन के विशेष कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के तौर पर मौजूद रहे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की।

मुख्य वक्ता सुरेश जैन ने हकूवि में पढ़ने वाली छात्राओं की संख्या जानकार प्रसन्नता व्यक्त की व कहा कि छात्राओं का समाज के विकास में अहम योगदान होता है। मुख्य वक्ता ने राष्ट्रीय एकता शिविर में भाग लेनी वाली छात्राओं से विशेष रूप से 4 बातों का अनुसरण करने के लिए आह्वान किया, जिनमें पहली बात आत्म-विश्वास को बढ़ाने, शरीर



राष्ट्रीय एकता शिविर के संघाकाल में नृत्य पेश करते कलाकार। • पीआरओ

उत्तराखंड के गाने टंडो रे टंडो मेरे पहाड़ की हवा टंडी-पानी टंडो पर थिरके स्वयंसेवक

शिविर के दूसरे दिन के संघाकालीन सांस्कृतिक कार्यक्रम में उत्तराखंड, झारखंड, बिहार व उत्तर प्रदेश के स्वयंसेवकों ने रंगारंग कार्यक्रम की प्रस्तुति देकर सभी का मन मोह लिया। स्वयंसेवकों ने नृत्य, गायन, वादन व लघु नाटिका के माध्यम से अपने-अपने लोकगीत, देशभूषा, संस्कृति की छटा बिखेरी। उत्तराखंड के कलाकारों ने कुमाउनी, झारखंड के कलाकारों ने झारखंडी, बिहार के कलाकारों ने काजारी व उत्तर प्रदेश के कलाकारों ने अवधि व रंगीला स्टाइल से अपनी-अपनी संस्कृति से रूबरू करवाया। टंडो रे टंडो मेरे पहाड़ की हवा टंडी-पानी टंडो और बजू पाको बाश मासा-नरेण काफल पाको चैत मेरी छैला गाने पर कलाकारों ने थिरक जिनगी जीने की सार्थकता को बतलाया।

आधुनिक विज्ञान व पौराणिक ज्ञान में सामंजस्य स्थापित करना जरूरी : प्रो. बीआर काम्बोज

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने आत्म-अवलोकन व कौशल विकास करने पर युवाओं को जोर देने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि इस राष्ट्रीय एकता शिविर में स्वयंसेवक जो भी बातें सीखते हैं, उन्हें अपनी जिंदगी में अनुसरण कर देश के उत्थान में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका अदा करें। प्राकृतिक संसाधनों की भरपूर उपलब्धता व आर्थिक रूप से मजबूत होने के कारण हमारा देश सोने की चिड़िया कहलाता था, यदि हम संसाधनों का सदुपयोग करें और राष्ट्रीयता की भावना को और सुदृढ़ करें तो फिर से भविष्य में हम सोने की चिड़िया बन सकते हैं।



कार्यक्रम को संबोधित करते मुख्य वक्ता सुरेश जैन। • पीआरओ

को स्वस्थ रखने, संस्कारों की समझ रखने व कार्य-दक्षता बढ़ाने पर जोर देने के लिए कहा। छात्राओं में आत्म-विश्वास उन्हें स्नेह, सम्मान व उनके अस्तित्व को स्वीकार कर बढ़ाया जा सकता है। उन्होंने स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान समय में नई पीढ़ी को बचपन से ही देशभक्ति पैदा करनी जरूरी, जिसमें माता-पिता व शिक्षकों की अहम भूमिका होती है। युवाओं को व्यक्तिगत विकास के लिए उनको आत्म-विश्लेषण, संस्कारों की समझ व सकारात्मकता का भाव को बहुत ही महत्वपूर्ण बतलाया।

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	22-7-23	4	1-6

युवाओं के रग-रग में राष्ट्रीयता की भावना जरूरी : सुरेश जैन

हृदय में राष्ट्रीय एकता शिविर में दिख रहे अलग नजारे

हिसार, 21 जुलाई (राठी) : राष्ट्रीय एकता शिविर से युवाओं में व्यक्तिगत विकास का विकास किया जा सकता है। आत्म विश्लेषण व आत्म विश्वास अपने अंदर जरूर पैदा करें, उससे ही आपका व्यक्तिगत विकास होगा। तभी देश के सामाजिक विकास में हम अहम योगदान दे सकेंगे।

ये विचार वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता सुरेश जैन ने कहे, जोकि चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय सभागार में आयोजित राष्ट्रीय एकता शिविर के तीसरे दिन के विशेष कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के तौर पर मौजूद रहे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर.काम्बोज ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की।

मुख्य वक्ता सुरेश जैन ने हृदय में पहने वाली छत्राओं की संख्या जानकार प्रसन्नता व्यक्त की व कहा कि छत्राओं का समाज के विकास में अहम योगदान होता है। मुख्य वक्ता ने राष्ट्रीय एकता शिविर में भाग लेने वाली छत्राओं से विशेष रूप से 4 बातों का अनुसरण करने के लिए आह्वान किया, जिनमें पहली बात आत्मविश्वास को बढ़ाने, शरीर को स्वस्थ रखने, संस्कारों की समझ रखने व कार्य दक्षता बढ़ाने पर जोर देने के लिए कहा।



राष्ट्रीय एकता शिविर के संध्याकाल में नृत्य पेश करते कलाकार।



स्वयंसेवकों से रुबरू होते मुख्य वक्ता सुरेश जैन व कुलपति प्रो.बी.आर.काम्बोज कार्यक्रम में उपस्थित युवाओं को नशा न करने की शपथ दिलाते सुकून काऊंसिल राहुल शर्मा।



स्वयंसेवकों ने जागरूकता निकाली रैली

विश्वविद्यालय के गेट नंबर. 4 से कुलपति प्रो. बी.आर.काम्बोज ने हरी झंडी दिखाकर जागरूकता रैली की शुरुआत की। यह रैली विश्वविद्यालय के गेट नंबर 4 से शुरू होकर जवाहर नगर मार्केट, सेक्टर 15, मेन राजगढ़ रोड से होते हुए वापिस विश्वविद्यालय पहुंची। इस रैली में स्वयंसेवकों ने सामाजिक बुराईयों व कुरीतियों को खत्म करने व अपने अंदर राष्ट्रीयता और देश प्रेम की भावना पैदा करने के लिए लोगों को जागरूक किया। 17 प्रदेशों से आए स्वयंसेवकों ने इस रैली में अपनी वेशभूषा के साथ नृत्य कर संस्कृति, विविधता व अखंडता का परिचय दिया।

उतराखंड के गाने ढंडो रे ढंडो मेरे पहाड़ की हवा ढंडी-पानी ढंडो पर थिरके स्वयंसेवक

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा आयोजित 7 दिवसीय राष्ट्रीय एकता शिविर में सांस्कृतिक कार्यक्रम में उतराखंड, झारखंड, बिहार व उत्तर प्रदेश के स्वयंसेवकों ने रंगारंग कार्यक्रम की प्रस्तुति देकर सभी का मन मोह लिया। स्वयंसेवकों ने नृत्य, गायन, वादन व लघु नाटिका के माध्यम से अपने-अपने लोकगीत, वेशभूषा, संस्कृति की छटा बिखेरी।

उतराखंड के कलाकारों ने कुमाउनी, झारखंड के कलाकारों ने झारखंडी, बिहार के कलाकारों ने काजारी व उत्तर प्रदेश के कलाकारों ने अवधि व रंगीला स्टाइल से अपनी-अपनी संस्कृति से रुबरू करवाया। ढंडो रे ढंडो मेरे पहाड़ की हवा ढंडी-पानी ढंडो और बजु पाको बाश मासा-नरेण काफल पाको चैत मेरी छैला गाने पर कलाकारों ने थिरकर जिंदगी जीने की साक्षरता को बताया। खास बात थी कि सांस्कृतिक कार्यक्रम में आयोजित रंगा-रंग कार्यक्रम में लघु भारत की झलक देखने को मिली।

आधुनिक विज्ञान व पौराणिक ज्ञान में सामंजस्य स्थापित करना जरूरी: प्रो. काम्बोज

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर.काम्बोज ने आत्म अवलोकन व कौशल विकास करने पर युवाओं को जोर देने के लिए कहा।

उन्होंने कहा कि इस राष्ट्रीय एकता शिविर में स्वयंसेवक जो भी बातें सीखते हैं, उन्हें अपनी जिंदगी में अनुसरण कर देश के उत्थान में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका अदा करें। प्राकृतिक संसाधनों की भरपूर उपलब्धता व आर्थिक रूप से मजबूत होने के कारण हमारा देश सोने की चिड़िया कहलाता था, यदि हम संसाधनों का सदुपयोग करें और राष्ट्रीयता की भावना को और सुदृढ़ करें तो फिर से भविष्य में हम सोने की चिड़िया बन सकते हैं।

उन्होंने बताया कि आधुनिक विज्ञान को यदि पौराणिक ज्ञान के साथ सामंजस्य स्थापित कर नवीनतम तकनीक विकसित की जाए तो अधिक कारगर होगी। उन्होंने राष्ट्रीय एकता शिविर में भाग लेने वाले स्वयंसेवकों से आह्वान किया कि वे मन में किसी भी प्रकार की शंका न रखें बल्कि अपनी शंकाओं को दूर करने के लिए शिविर में आने वाले विशेषज्ञों से सवाल पूछकर निवारण करें।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दिनांक 22-7-23	22-7-23	4	3-6

दैनिक भास्कर की ओर से एचएयू के कृषि कॉलेज के सभागार में रिश्तों को समझें, रिश्तों को जिएं... उत्सव रिश्तों का कार्यक्रम आयोजित रिश्ते हमने बनाए, नाता भगवान ने बनाया, नातों में गड़बड़ हो तो भगवान पर करें भरोसा : पं. विजय शंकर मेहता

संवादक नृपजिता



हिसार | कृषि कॉलेज के सभागार में दैनिक भास्कर द्वारा आयोजित कार्यक्रम 'रिश्तों को समझें, रिश्तों को जिएं... उत्सव रिश्तों का' में पीएन विजय शंकर मेहता का उद्बोधन सुनते हुए श्रावणवर्मा

मेहता के अनुसार परिवार की धुरी पांच रिश्तों पर टिकी है, जो माता-पिता और संतान, भाई-भाइ-बहन और पति-पत्नी के अलावा रिश्तेदारी है।

1. **माता-पिता और संतान**: धरम में यह संस्कृति इस्तीफा करने हुई है क्योंकि इनके स्थाने बहुत सम्मान मिलता हुआ है। देखें मैं इस विद्यालय को बचाने के लिए सम्मन रखे अपने बच्चों को उनकी पानी देना ही नहीं। उन्होंने बच्चों को टिप्पण दिए कि आजकाल के बच्चे खुद अपने बड़े अंतर्गत परिवार रूप करते हैं, लेकिन निर्धन में जीवन देखी जानी चाहिए। पहले माता-पिता निर्धन होते थे, इसीलिए उनके निर्धन में निर्धन नहीं देखी जानी चाहिए। उन्होंने बच्चों को टिप्पण दिए कि आजकाल के बच्चे खुद अपने बड़े अंतर्गत परिवार रूप करते हैं, लेकिन निर्धन में जीवन देखी जानी चाहिए।

4. **पति-पत्नी**: पति-पत्नी के रिश्ते में हमारा तबियत होती है, क्योंकि दो किपटल मुठकाते के संबंधों को बंधे एक नहीं हो सकती, इसलिए ये तबियत होती है। हमने रिश्ता प्रभाव होता है, लेकिन रिश्तों का तनाव बच्चों तक नहीं आता क्योंकि एक मां को अपने बच्चों के बंधने पति में पत्नी के रूप और एक पिता को अपने बच्चों के बंधने पति को तब पति नहीं आता क्योंकि कारण कि इसका उत्तर बच्चों पर पड़ता है। इसीलिए रिश्तों में तनाव आता है तो धरमाल को बीच में रखें और उन पर ध्यान दें।

2. **भाई-भाइ**: यद्यपि धरम के अनुसार जब बंधुत्व ने अपने बहुत सुखों को निश्चय दुर्भाग्य में कर दिया तो श्रीकृष्ण ने ज्ञान से इनका बंधन मुक्त हो सोने कि यह दुर्भाग्य में विश्वास की बरतना पड़ती है। श्रीकृष्ण ने पूछा कि फिर तुम्हारी पत्नी बंधुत्वों, तो अपने अंतर्गत का नाम लेना। श्रीकृष्ण ने दोनों को परिवार में सुनाया और विश्वास करवाकर धरम दिया। कारण को जग पता कि कि उनकी बंधन को धरम में इनके ही भाई-भाइ का नाम है। तो बंधुत्व बहुत अतीत हुए। श्रीकृष्ण ने समझाया कि बंधन की सुदुरी किस्में में देखना पड़ता। और उसका भीषण दिखी। अंतर्गत का जीवन और भीषण दोनों देखें। इसीलिए जब भी जग बंधों तो अंतर्गत और भीषण देखना पड़ता, में कि बंधुत्व। क्योंकि बंधुत्व का राजा भीषण में देख ही सकता है।

5. **रिश्तेदारी**: जड़े दिल में धरम-बिधायक और तेज दिग्गज से सुनिश्चय है, जब में बात अंतर्गत हो गई है। धरम में आजकाल नियम, पट्टीया या अन्य विरुद्ध रिश्तेदारी की धरम में आ रहा है। जो हमारे सुख-दुःख में साथ खड़े रहते हैं, लेकिन नियम ऐसे भी न हैं जो हमें दुखी हैं, इसलिए उदात्त रिश्तों का मन्दाकार है रिश्तेदारी में जो हमारे खीन का आधार है।

5 रिश्ते परिवार प्रबंधन का आधार... पढ़िए रिश्तों को कैसे जिएं

3. **भाई-भाइ**: जहाँ कारण के परिवार के भाई-भाइ का भी तो श्रीकृष्ण के पंच बंधन में कारण। जब संधी में दुर्भाग्य को बंधन बना रिश्ता तो श्रीकृष्ण ने धरम में अंतर्गत में भाई को खुदकर लाने को कहा, लेकिन धरम-अंतर्गत में कहा कि दुर्भाग्य तो इनका दुर्भाग्य है तो श्रीकृष्ण बोले कि धरम 100 और लय 5 है। धरम लय 105 है। धरम में बंधे ही हमारी बली नहीं हो, लेकिन कोई बंधी इसका लय ले जाय। इसीलिए रिश्तों के सम्म भाई साथ खड़े हों।

परिवार के सुखों को समव दीजिए
जीवन की अर्द्धशती अवस्था है सुदुर्लभा। जो जगरी है तो नहीं नहीं है। इन अवस्था में सुखी साथ खड़े नहीं हैं। एकबन्धन और अन्धकार में लेता है। परिवार में अपने सुखों को समव देना चाहिए। जो सम्म अन्ध सुखों को दे दे वह उनकी पक्ष में जुड़ें। कार्यक्रम में श्रीकृष्ण के पंचबंधन एकाधकार को संदेय जहाँ एचएयू एजितकाल हीन ही सुदुरी कुशल रहना, समव खीन रिश्तों अन्धकार विद्यालय स्कूल के छात्रों/छात्राओं इनका रिश्तेदारी को भला कि नही रहता के कारणों का भीषण मुठकाते



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समक	23-7-23	5	2-8

ज्वार की नई उत्पादन तकनीकों से पशुपालकों और किसानों को होगा लाभ: कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज

ज्वार फसल पर उत्कृष्ट अनुसंधानों के लिए राष्ट्रीय स्तर पर छाया हकृवि

सच कहें/सदीप सिंहमार

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के चारा अनुभाग को ज्वार फसल पर उत्कृष्ट अनुसंधानों के लिए लगातार दूसरी बार राष्ट्रीय स्तर पर वर्ष 2022-23 का सर्वश्रेष्ठ अनुसंधान केन्द्र अवार्ड प्रदान किया गया है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने यह जानकारी देते हुए बताया कि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के निर्गत भारतीय श्रौअन अनुसंधान स्थान, हैदराबाद द्वारा आयोजित स्थित भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना (ज्वार) की 30वीं वार्षिक समूह बैठक में परीक्षा परिषद के सहायक निदेशक (खाद्य एवं चारा सल) डॉ. एस.के. प्रधान ने यह अवार्ड प्रदान किया। कुलपति ने



हिसार। हकृवि के चारा अनुभाग की टीम को दूसरी बार राष्ट्रीय स्तर पर सर्वश्रेष्ठ अनुसंधान केन्द्र का अवार्ड मिलने पर बधाई देते कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज।

बताया कि विश्वविद्यालय के चारा अनुभाग ने हाल ही के वर्षों में ज्वार की उन्नत किस्मों के विकास, ज्वार में फायरफोर्स व पोटाश जैसे पोषक तत्वों के प्रबंधन, ज्वार-बरसीम फसल-चक्र की उत्पादन तकनीक विकसित करने, बहुवर्षीय ज्वार की

समग्र सिफारिशें अनुमोदित करने के साथ ज्वार के बीज उत्पादन में बहुत सराहनीय कार्य किए हैं। जिनके दृष्टिगत ये अवार्ड दिया गया है। इस अनुभाग ने अब तक ज्वार की 13 उन्नत किस्में विकसित की हैं। इनमें से सीएसवी-53 एफ किस्म,

एचजेएच-1513 व एचजे-1514 हाल ही में विकसित की गई किस्में हैं। उन्होंने इस उपलब्धि के लिए अनुभाग के वैज्ञानिकों को बधाई दी और कहा कि ये किस्में किसानों व पशुपालकों के लिए बहुत फायदेमंद साबित होंगी।

ज्वार की नई किस्मों की ये हैं विशेषताएं

विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. जीत राम शर्मा ने ज्वार की नई किस्मों की विशेषताओं का उल्लेख करते हुए बताया कि इन तीनों किस्मों में प्रोटीन की मात्रा व पाचनशीलता अधिक होने के कारण ये पशुओं के लिए बहुत उत्तम हैं। उन्होंने बताया ज्वार की सीएसवी 53 एक एक कटाई वाली किस्म है जिसको देश के ज्वार उगाने वाले सभी राज्यों के लिए अनुमोदित किया गया है। इस किस्म की हरे चारे की औसत पैदावार 483 क्विंटल प्रति हेक्टेयर है। यह शूट फ्लाई, स्टेम बोरेर जैसे कीड़ों के प्रति प्रतिरोधी है व ग्रे-लीफ स्पॉट व शूटी रिट्टुप बीमारी के प्रति प्रतिरोधी है। इस किस्म को चारा अनुभाग के वैज्ञानिकों डॉ. पम्मी कुमारी, एस.के. पाहुजा, डी.एस. फोगाट, सतपाल, एन. खरोड़, बी.एल. शर्मा एवं मनजीत सिंह की टीम ने विकसित किया है।

हरियाणा राज्य में बिजाई के लिए चिन्हित की गई हैं किस्में

कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा ने बताया ज्वार की एचजेएच 1513 व एचजे 1514 किस्में हरियाणा राज्य में बिजाई के लिए चिन्हित की गई हैं। इनमें से एचजेएच 1513 एक कटाई वाली हाइब्रिड किस्म है और इसकी हरे चारे की औसत पैदावार 717 क्विंटल प्रति हेक्टेयर है। यह मीठी व जूसी किस्म है जिसमें 8.6 प्रतिशत प्रोटीन व 53 प्रतिशत पाचनशीलता है। यह पत्ती रोगों के प्रति प्रतिरोधी व शूट फ्लाई व स्टेम बोरेर कीड़ों के प्रति सहनशील है। इस किस्म को विकसित करने का श्रेय डॉ. पी.कुमारी, डीएस फोगाट, सत्यवान आर्य, एसके पाहुजा, सतपाल, नीरज खरोड़, बजरंग लाल शर्मा, दलविद्रपाल सिंह, मनजीत सिंह व सरिता देवी को जाता है।

बढ़ेगी हरे व सूखे चारे की पैदावार

इसी प्रकार एचजे 1514 एक कटाई वाली किस्म है। जिसकी हरे चारे की पैदावार 664 व सूखे चारे की पैदावार 161 क्विंटल प्रति हेक्टेयर है। यह अधिक प्रोटीन वाली किस्म है। यह पत्ती रोगों के प्रति प्रतिरोधी व शूट फ्लाई व स्टेम बोरेर कीड़ों के प्रति सहनशील है। इस किस्म को विकसित करने वाले वैज्ञानिकों में डॉ. पी. कुमारी, डी.एस. फोगाट, एस. आर्य, एस.के. पाहुजा, सतपाल, नीरज खरोड़, बजरंग लाल शर्मा, दलविद्रपाल सिंह, विनोद कुमार व सरिता देवी शामिल हैं।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	22-7-23	1	1-3

रिश्तों को समझें, रिश्तों को जिएं... विषय पर दिया व्याख्यान



हिसार | चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि कॉलेज के सभागार में दैनिक भास्कर द्वारा आयोजित उत्सव रिश्तों का कार्यक्रम में पंडित विजय शंकर मेहता दीप प्रज्वलित करते हुए। रिश्तों को समझें, रिश्तों को जिएं... विषय पर व्याख्यान देते हुए पंडित विजय शंकर मेहता। - विस्तृत समाचार पढ़िए पेज 4 पर



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम

दिनिक साक्षर

दिनांक

22-7-23

पृष्ठ संख्या

2

कॉलम

3-6

कार्यक्रम • एचएयू के शिविर में उत्तराखंड, बिहार व यूपी के स्वयंसेवकों ने दी शानदार प्रस्तुतियां

‘ठंडो रे ठंडो मेरे पहाड़ की हवा ठंडी-पानी ठंडो’ से जिंदगी जीने की सार्थकता बताई



एचएयू में एनएसएस के कार्यक्रम में प्रस्तुतियां देते कलाकार

भास्कर न्यूज | हिसार

एचएयू के राष्ट्रीय सेवा योजना की तरफ से आयोजित 7 दिवसीय राष्ट्रीय एकता शिविर के दूसरे दिन के संध्याकालीन सांस्कृतिक कार्यक्रम में उत्तराखंड, झारखंड, बिहार व उत्तर प्रदेश के स्वयंसेवकों ने रंगारंग कार्यक्रम की प्रस्तुति देकर सभी का मनमोह लिया। स्वयंसेवकों ने नृत्य, गायन, वादन व लघु नाटिका के माध्यम से अपने-अपने लोकगीत, वेशभूषा, संस्कृति की छटा बिखेरी। उत्तराखंड के कलाकारों ने कुमाउनी, झारखंड के कलाकारों ने झारखंडी, बिहार के कलाकारों ने काजारी व उत्तर प्रदेश के कलाकारों ने अवधि व रंगीला स्टाइल से अपनी-अपनी संस्कृति से रूबरू करवाया। ‘ठंडो रे ठंडो मेरे पहाड़ की हवा ठंडी-पानी ठंडो’ और ‘बजू पाको बाश मासा-नरेण काफल पाको चैत मेरी छैला’ गाने पर कलाकारों ने थिरक कर जिंदगी

जीने की सार्थकता को बतलाया। सांस्कृतिक कार्यक्रम में आयोजित रंग-रंग कार्यक्रम में लघु भारत की झलक देखने को मिली, जिसे देखने पर 17 प्रदेशों से आए स्वयंसेवकों सहित अन्य दर्शक मंत्रमुग्ध हो गए।

इसके बाद सायंकालीन में विश्वविद्यालय के गेट नंबर- 4 से कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने हरी झंडी दिखाकर जागरूकता रैली की शुरुआत की। यह रैली एचएयू के गेट नंबर 4 से शुरू होकर जवाहर नगर मार्केट, सेक्टर 15, मेन राजगढ़ रोड से होते हुए वापिस विश्वविद्यालय पहुंची। इस रैली में स्वयंसेवकों ने सामाजिक बुराइयों व कुरीतियों को खत्म करने व अपने अंदर राष्ट्रीयता और देश प्रेम की भावना पैदा करने के लिए लोगों को जागरूक किया। 17 प्रदेशों से आए स्वयंसेवकों ने इस रैली में अपनी वेशभूषा के साथ नृत्य कर संस्कृति, विविधता व अखंडता का परिचय दिया।

सम्मान देकर बढ़ाया जा सकता है महिलाओं का आत्म-विश्वास: सुरेश



हिसार | राष्ट्रीय एकता शिविर से युवाओं में व्यक्तित्व का विकास किया जा सकता है। आत्म-विश्लेषण व आत्म-विश्वास अपने अंदर जरूर पैदा करें, उससे ही आपका व्यक्तित्व विकास होगा। तभी देश के सामाजिक विकास में हम अहम योगदान दे सकेंगे। ये विचार वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता सुरेश जैन ने कहे, जो चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि कॉलेज सभागार में आयोजित राष्ट्रीय एकता शिविर के तीसरे दिन के विशेष कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के तौर पर मौजूद रहे। इस अवसर पर एचएयू के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की।

मुख्य वक्ता सुरेश जैन ने एचएयू में पढ़ने वाली छात्राओं की संख्या

जानकार प्रसन्नता व्यक्त की व कहा कि छात्राओं का समाज के विकास में अहम योगदान होता है। मुख्य वक्ता ने राष्ट्रीय एकता शिविर में भाग लेनी वाली छात्राओं से विशेष रूप से 4 बातों का अनुसरण करने के लिए आह्वान किया, जिनमें पहली बात आत्म-विश्वास को बढ़ाने, शरीर को स्वस्थ रखने, संस्कारों की समझ रखने व कार्य-दक्षता बढ़ाने पर जोर देने के लिए कहा। युवाओं को व्यक्तित्व विकास के लिए उनको आत्म-विश्लेषण, संस्कारों की समझ व सकारात्मकता का भाव को बहुत महत्वपूर्ण बतलाया। कुलपति प्रो. काम्बोज ने आत्म-अवलोकन व कौशल विकास करने पर युवाओं को जोर देने के लिए कहा।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
उमा 23 जून 23	22-7-23	4	3-5

उत्तराखंड के गाने 'ठंडो रे ठंडो मेरे पहाड़ की हवा ठंडी-पानी ठंडो' पर थिरके स्वयंसेवक एचएयू में आयोजित राष्ट्रीय एकता शिविर में स्वयंसेवकों ने निकाली रैली

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना की ओर से आयोजित 7 दिवसीय राष्ट्रीय एकता शिविर के दूसरे दिन के संध्याकालीन सांस्कृतिक कार्यक्रम में उत्तराखंड, झारखंड, बिहार व उत्तर प्रदेश के स्वयंसेवकों ने रंगारंग प्रस्तुति दी। स्वयंसेवकों ने नृत्य, गायन, वादन व लघु नाटिका के माध्यम से अपने-अपने लोकगीत, वेशभूषा, संस्कृति की छटा बिखेरी।

उत्तराखंड के कलाकारों ने कुमाउंनी, झारखंड के कलाकारों ने झारखंडी, बिहार के कलाकारों ने कजारी व उत्तर प्रदेश के कलाकारों ने अवधि व रंगीला स्टाइल से अपनी-अपनी संस्कृति से रूबरू करवाया। 'ठंडो रे ठंडो मेरे पहाड़ की हवा ठंडी-पानी ठंडो' और 'बजू पाको बाश मासा-नरेण काफल पाको चैत मेरी छैला' गाने पर कलाकारों ने थिरकर जिंदगी जीने की सार्थकता को बतलाया।

कार्यक्रम को देखकर 16 प्रदेशों से आए स्वयंसेवकों सहित अन्य दर्शक मंत्रमुग्ध हो गए। विश्वविद्यालय के गेट नंबर- 4 से कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने हरी झंडी दिखाकर जागरूकता रैली की



एचएयू में सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करते उत्तराखंड के स्वयंसेवक। संवाद

आत्म-विश्वास अपने अंदर जरूर पैदा करें...

हिसार। राष्ट्रीय एकता शिविर के तीसरे दिन के विशेष कार्यक्रम में मुख्य वक्ता सुरेश जैन ने कहा कि राष्ट्रीय एकता शिविर से युवाओं में व्यक्तित्व का विकास किया जा सकता है। आत्म-विश्लेषण व आत्म-विश्वास अपने अंदर जरूर पैदा करें, उससे ही आपका व्यक्तित्व विकास होगा। छात्राओं से विशेष रूप से 4 बातों का अनुसरण करने के लिए आह्वान किया। कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने आत्म-अवलोकन व कौशल विकास करने पर युवाओं को जोर देने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि इस राष्ट्रीय एकता शिविर में स्वयंसेवक जो भी बातें सीखते हैं, उन्हें अपनी जिंदगी में अनुसरण कर देश के उत्थान में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका अदा करें। संवाद

शुरुआत की।

इस रैली में स्वयंसेवकों ने सामाजिक बुराईयों व कुरीतियों को खत्म करने व

अपने अंदर राष्ट्रीयता और देश प्रेम की भावना पैदा करने के लिए लोगों को जागरूक किया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सैन्य कर्तु	22-7-23	5	4-8

एचएयू में आयोजित राष्ट्रीय एकता शिविर में स्वयंसेवकों ने निकाली रैली

एचएयू: उत्तराखंड के गाने 'ठंडो रे ठंडो मेरे पहाड़ की हवा ठंडी-पानी ठंडो' पर थिरके स्वयंसेवक

हिसार (सच कहें न्यूज)। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा आयोजित 7 दिवसीय राष्ट्रीय एकता शिविर के दूसरे दिन के संध्याकालीन सांस्कृतिक कार्यक्रम में उत्तराखंड, झारखंड, बिहार व उत्तर प्रदेश के स्वयंसेवकों ने रंगारंग कार्यक्रम की प्रस्तुति देकर सभी का मन मोह लिया। स्वयंसेवकों ने नृत्य, गायन, वादन व लघु नाटिका के माध्यम से अपने-अपने लोकगीत, वेशभूषा, संस्कृति की छटा बिखेरी। उत्तराखंड के कलाकारों ने कुमाउनी, झारखंड के कलाकारों ने झारखंडी, बिहार के कलाकारों ने काजारी व उत्तर प्रदेश के कलाकारों ने अवधि व



राष्ट्रीय एकता शिविर के संध्याकाल में नृत्य पेश करते कलाकार।

रंगीला स्टाइल से अपनी-अपनी संस्कृति से रूबरू करवाया। 'ठंडो रे ठंडो मेरे पहाड़ की हवा ठंडी-पानी ठंडो' और 'बजू याको बाश मासा-नरेण काफल पाको चैत मेरी

छैला' गाने पर कलाकारों ने थिरकर जिंदगी जीने की सार्थकता को बतलाया। खास त्वात थी कि सांस्कृतिक कार्यक्रम में आयोजित रंगा-रंग कार्यक्रम में लघु भारत की

झलक देखने को मिली, जिसे देखने पर 17 प्रदेशों से आए स्वयंसेवकों सहित अन्य दर्शक मंत्रमुग्ध हो गए। इसके बाद सायंकालीन में विश्वविद्यालय के

गेट नंबर- 4 से कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने हरी झंडी दिखाकर जागरूकता रैली की शुरुआत की।

यह रैली विश्वविद्यालय के गेट नंबर 4 से शुरू होकर जवाहर नगर मार्केट, सेक्टर 15, मेन राजगढ़ रोड से होते हुए वापिस विश्वविद्यालय पहुंची। इस रैली में स्वयंसेवकों ने सामाजिक बुराईयों व कुरीतियों को खत्म करने व अपने अंदर राष्ट्रीयता और देश प्रेम की भावना पैदा करने के लिए लोगों को जागरूक किया। 17 प्रदेशों से आए स्वयंसेवकों ने इस रैली में अपनी वेशभूषा के साथ नृत्य कर संस्कृति, विविधता व अखंडता का परिचय दिया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	22-7-23	5	3-6

एचएयू: उत्तराखंड के गाने 'ठंडो रे ठंडो मेरे पहाड़ की हवा ठंडी-पानी ठंडो' पर थिरके स्वयंसेवक एचएयू में आयोजित राष्ट्रीय एकता शिविर में स्वयंसेवकों ने निकाली रैली

हिसार, 21 जुलाई (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा आयोजित 7 दिवसीय राष्ट्रीय एकता शिविर के दूसरे दिन के संध्याकालीन सांस्कृतिक कार्यक्रम में उत्तराखंड, झारखंड, बिहार व उत्तर प्रदेश के स्वयंसेवकों ने रंगारंग कार्यक्रम की प्रस्तुति देकर सभी का मन मोह लिया। स्वयंसेवकों ने नृत्य, गायन, वादन व लघु नाटिका के माध्यम से अपने-अपने लोकगीत, वेशभूषा, संस्कृति की छटा बिखेरी। उत्तराखंड के कलाकारों ने कुमाउनी, झारखंड के कलाकारों ने झारखंडी, बिहार के कलाकारों ने कोजारी व उत्तर प्रदेश के कलाकारों ने अवधि व रंगीला स्टाइल से अपनी-अपनी संस्कृति से रूबरू करवाया। 'ठंडो रे ठंडो मेरे पहाड़ की हवा ठंडी-पानी ठंडो' और 'बजू पाको बाश मासा-नरेण काफल पाको चैत मेरी छैला' गाने पर भारत की झलक देखने को मिली, जिसे देखने पर 17 प्रदेशों से आए स्वयंसेवकों सहित अन्य दर्शक मंत्रमुग्ध हो गए। इसके बाद सायंकालीन में विश्वविद्यालय के गेट नंबर- 4 से कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने हरी झंडी दिखाकर जागरूकता रैली की शुरुआत की। यह रैली विश्वविद्यालय के गेट नंबर-4 से शुरू होकर जवाहर नगर मार्केट, सेक्टर 15, मेन राजगढ़ रोड से होते हुए वापिस विश्वविद्यालय पहुंची। इस रैली में स्वयंसेवकों ने सामाजिक बुराईयों व कुरीतियों को खत्म करने व अपने अंदर राष्ट्रीयता और देश प्रेम की भावना पैदा करने के लिए लोगों को जागरूक किया। 17 प्रदेशों से आए स्वयंसेवकों ने इस रैली में अपनी वेशभूषा के साथ नृत्य कर संस्कृति, विविधता व अखंडता का परिचय दिया।



राष्ट्रीय एकता शिविर के संध्याकाल में नृत्य पेश करते कलाकार ।

कलाकारों ने थिरकर जिंदगी जीने की सार्थकता को बतलाया। खास बात थी कि सांस्कृतिक कार्यक्रम में आयोजित रंग-रंग कार्यक्रम में लघु



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दीनकर त्रिबुन	22-7-23	10	4-5

**'ठंडो रे ठंडो मेरे पहाड़ की हवा
ठंडी, पाणी ठंडो' पर थिरके स्वयंसेवक**

हिसार 21 जुलाई (हप्र)

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा आयोजित 7 दिवसीय राष्ट्रीय एकता शिविर के दूसरे दिन के सांस्कृतिक कार्यक्रम में

उत्तराखंड, झारखंड, बिहार व उत्तर प्रदेश के स्वयंसेवकों ने रंगारंग कार्यक्रम की प्रस्तुति देकर सभी का मन मोह लिया।

स्वयंसेवकों ने नृत्य, गायन, वादन व लघु नाटिका के माध्यम से

अपने-अपने लोकगीत, वेशभूषा, संस्कृति की छटा बिखेरी।

उत्तराखंड के कलाकारों ने कुमांडनी, झारखंड के कलाकारों ने झारखंडी, बिहार के कलाकारों ने काजारी व उत्तर प्रदेश के कलाकारों ने अवधि व रंगीला स्टाइल से अपनी-अपनी संस्कृति से रूबरू

करवाया। 'ठंडो रे ठंडो मेरे पहाड़ की हवा ठंडी, पाणी ठंडो' और 'बेडू पाको बारामासा-नरेण काफल पाको चैता मेरी छैला' गाने पर कलाकारों ने थिरकर जिंदगी जीने की सार्थकता को बतलाया।

एचएचयू में आयोजित राष्ट्रीय एकता शिविर में स्वयंसेवकों ने निकाली रैली



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी प्लस न्यूज	21.07.2023	--	--

युवाओं के रग-रग में राष्ट्रीयता की भावना जरूरी : सुरेश जैन

सिटी प्लस न्यूज, हिसार। राष्ट्रीय एकता शिविर से युवाओं में व्यक्तिगत विकासात्मक विकास किया जा सकता है। आत्म-विस्लेषण व आत्म-विश्वास अपने अंदर जरूर पैदा करें, उससे ही अपना व्यक्तिगत विकास होगा। तभी देश के सामाजिक विकास में हम अहम योगदान दे सकेंगे। ये विचार वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता सुरेश जैन ने कहे, जोकि चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय सभागार में आयोजित राष्ट्रीय एकता शिविर के तीसरे दिन के विशेष कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के तौर पर मौजूद रहे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की।

मुख्य वक्ता सुरेश जैन ने हकीम में पढ़ने वाली छात्राओं की संख्या जानकार प्रस्तुत व्यक्त की व कहा कि छात्राओं का समाज के विकास में अहम योगदान होता है। मुख्य वक्ता ने राष्ट्रीय एकता शिविर में भाग लेनी वाली छात्राओं से विशेष रूप से 4 बातों का अनुसरण करने के लिए आग्रह किया, जिनमें पहली बात आत्म-विश्वास को बढ़ाने, शरीर को स्वस्थ रखने, संस्कारों की सभल रखने व कार्य-दक्षता बढ़ाने पर जोर देने के लिए कहा। छात्राओं में आत्म-विश्वास उन्हें खेद, सम्मान व उनके

आधुनिक विज्ञान व पारंपरिक ज्ञान में सारसंज्ञक स्थापित करना जरूरी : प्रो. बी.आर. काम्बोज
विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने आत्म-अवलोकन व कौशल विकास करने पर युवाओं को जोर देने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि इस राष्ट्रीय एकता शिविर में स्वयंसेवक जो भी बातें सीखते हैं, उन्हें अपनी जिंदगी में अनुसरण कर देश के उत्थान में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका अदा करें।

अस्तित्व को स्वीकार कर बढ़ना जा सकता है।

उन्होंने स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान समय में नई पीढ़ी को बचपन से ही देशभक्ति पैदा करनी जरूरी, जिसमें माता-पिता व शिक्षकों की अहम भूमिका होती है। युवाओं को व्यक्तिगत विकास के लिए उनको आत्म-विस्लेषण, संस्कारों की सभल व सकायात्मकता का ध्य को बहुत ही महत्वपूर्ण बताया। छात्र कल्याण निदेशक डॉ. अतुल खींगड़ा ने सभी वर स्वगत किया, जबकि कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस.के. पाहुजा ने धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया।



**चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय**

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स न्यूज	21.07.2023	--	--

'ढंडो रे ढंडो मेरे पहाड़ की हवा ढंडी, पानी ढंडो' गाने पर थिरके स्वयंसेवक

एचएसयू में आयोजित राष्ट्रीय एकता शिविर में स्वयंसेवकों ने निकाली रैली

हिंदी पत्राचार विभाग, हिंसर, में एक सत्र की शुरुआत करने के लिए एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर स्वयंसेवकों ने एक रैली निकाली। इस रैली में स्वयंसेवकों ने 'ढंडो रे ढंडो मेरे पहाड़ की हवा ढंडी, पानी ढंडो' गाने पर थिरकें।



रैली निकाली गई थी 'ढंडो रे ढंडो मेरे पहाड़ की हवा ढंडी, पानी ढंडो' गाने पर थिरकें

यह रैली हिंसर में आयोजित राष्ट्रीय एकता शिविर में आयोजित की गई थी। इस अवसर पर स्वयंसेवकों ने 'ढंडो रे ढंडो मेरे पहाड़ की हवा ढंडी, पानी ढंडो' गाने पर थिरकें।

इस अवसर पर स्वयंसेवकों ने 'ढंडो रे ढंडो मेरे पहाड़ की हवा ढंडी, पानी ढंडो' गाने पर थिरकें।

इस अवसर पर स्वयंसेवकों ने 'ढंडो रे ढंडो मेरे पहाड़ की हवा ढंडी, पानी ढंडो' गाने पर थिरकें।

इस अवसर पर स्वयंसेवकों ने 'ढंडो रे ढंडो मेरे पहाड़ की हवा ढंडी, पानी ढंडो' गाने पर थिरकें।



रैली निकाली गई थी 'ढंडो रे ढंडो मेरे पहाड़ की हवा ढंडी, पानी ढंडो' गाने पर थिरकें



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम

दिनांक

पृष्ठ संख्या

कॉलम

हिन्दु स्थान समाचार

21.07.2023

--

--

हिन्दुस्थान समाचार



हिसार: सम्मान देकर बढ़ाया जा सकता महिलाओं का आत्मविश्वास: सुरेश जैन

17 - 1 मिनट



हिसार, 21 जुलाई (हि.स.)। राष्ट्रीय एजन्स सिविल से मुक्तों में उत्कृष्टता का विकास किए जा सकते हैं। आत्म-विश्वास व आत्म-विशुद्धता अपने आप बढ़ने देता है, उसमें ही आत्मका उत्कृष्टता विकास होता और सभी देश के सामाजिक विकास में इस बहुत योगदान दे सकते।

यह बात सीधु सामाजिक कार्यकर्ता सुरेश जैन ने कही। यह सुझाव को हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय संभार में आयोजित राष्ट्रीय एजन्स सिविल से लौटते दिन मुक्त प्रकाश के दौर पर कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। सुरेश जैन ने इसमें ही अपने सभी कार्यओं की संख्या जल्दबाज संख्या करी और कहा कि कार्यकर्ता का समाज के विकास में बहुत योगदान होता है।

मुक्त प्रकाश ने राष्ट्रीय एजन्स सिविल से प्राप्त की सभी कार्यओं में विशेष जगह से कुछ कार्य का अनुभव करने के लिए आग्रह किया। उन्होंने आत्म-विशुद्धता को बढ़ाने, शरीर को स्वस्थ रखने, शांति की संख्या रखने व कार्य-प्रणाली बढ़ाने पर जोर देने के लिए कहा। उन्होंने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि कार्यकर्ता में आत्म-विशुद्धता उन्हें सदा, स्वस्थ व उनके अधिकार को बर्बाद कर सकता जा सकता है। सर्वोच्च स्तर में यह सीढ़ी में स्वस्थ से ही देश अधिक पैदा करती शांति, विश्व में शांति-प्रेम व विशुद्धता को बहुत भूमिका होती है। उन्होंने मुक्तों के उत्कृष्टता विकास के लिए आत्म-विश्वास, शांति की संख्या व समाजकारण के भव को बहुत ही महत्वपूर्ण बताया।

विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. बी.एस. कर्माकर ने आत्म-स्वतंत्रता व शीघ्रता विकास के समय में मुक्तों को जोर देने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय एजन्स सिविल से स्वतंत्रता को भी बर्बाद होकर है, उन्हें अपनी विद्यार्थी में अनुभव करके देश के उत्थान में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका भरा करें। इससे पूर्व जगदलाल मिश्राकर डॉ. अरुण शीखा ने सभी का स्वागत किया जबकि कृषि महाविद्यालय के अधिपति डॉ. एमके पाण्डेय ने संबोधित किया।

हिन्दुस्थान समाचार/राजेश्वर/मुक्त/संभार



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हिन्दुस्थान समाचार	21.07.2023	--	--

हिन्दुस्थान समाचार



हिसार: जलसंधि के गाने ठंडो रे ठंडो मेरे पहाड़ की हवा ठंडी, पानी ठंडो पर धिरके स्वयंसेवक

12 - 1 अगस्त

राजस्थान में आयोजित राष्ट्रीय जलसंधि दिवस में स्वयंसेवकों ने हिस्सा लेते हैं।
हिसार, 21 जुलाई (वि.स.)। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय लोक संस्कार की ओर से आयोजित राजस्थान दिवसीय राष्ट्रीय जलसंधि दिवस में सज्जदार की सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए।
इसमें जलसंधि, जलसंधि, किराने व जल संयंत्र के स्वयंसेवकों ने प्रदर्शन प्रस्तुति देकर सभी का मन मंत्र किया।
स्वयंसेवकों ने गुरु, गायन, कला व सज्जदार के माध्यम से अपने-अपने लोकगीत, संस्कृति, संस्कृति को जगाने के लिए प्रदर्शन के कार्यक्रमों में भाग लिया। जलसंधि के कार्यक्रमों में जलसंधि, जलसंधि के कार्यक्रमों में जलसंधि, किराने के कार्यक्रमों में जलसंधि व जल संयंत्र के कार्यक्रमों में जलसंधि व जल संयंत्र से अपने-अपने संस्कृति को जगाने का प्रयास किया। ठंडो रे ठंडो मेरे पहाड़ की हवा ठंडी-पानी ठंडो और सज्जदार का जल-जीवन जगाने का भी प्रयास करने के लिए जलसंधि दिवस को जगाने का प्रयास किया। इस दिन भी कि सांस्कृतिक कार्यक्रम में आयोजित राज-राज कार्यक्रम में सज्जदार की प्रस्तुति देकर को मिली, जिसे देखने पर 17 दर्शकों को जल स्वयंसेवकों सहित जल संयंत्र का सज्जदार हो गए। इसके बाद विश्वविद्यालय के गैर गैर-4 से जुड़ाव को भी जल स्वयंसेवकों ने इसी जलसंधि दिवस का आयोजन करने की सज्जदार की। यह जलसंधि दिवस के गैर गैर-4 से जुड़ाव जगाने का प्रयास, जलसंधि 15, मेरे जलसंधि दिवस से होने हुए जलसंधि दिवस प्रस्तुति। इस जलसंधि में स्वयंसेवकों ने सांस्कृतिक प्रस्तुति व कुशलियों को जगाने व अपने जल संयंत्र और जल संयंत्र की भावना जगाने के लिए जलसंधि को जगाने का प्रयास किया। इस दिन 17 दर्शकों को जल स्वयंसेवकों ने इस जलसंधि में आयोजित संस्कृति के साथ जलसंधि, किराने व जलसंधि का प्रदर्शन किया।

हिन्दुस्थान समाचार, राजस्थान



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठक पक्ष	21.07.2023	--	--

हक्वि के शिविर में कलाकारों ने लोकगीत व नृत्य की प्रस्तुति देकर मेहमानों को हरियाणवी संस्कृति से जोड़ा



पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 21 जुलाई : चौधरी

चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में सात दिवसीय राष्ट्रीय एकता शिविर में संव्यासाल में विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय सभागार में हरियाणवी सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम में हरियाणा प्रदेश के स्वयंसेवकों ने हरियाणवी कृष, गद्यन व वादन में बेहतरीन प्रस्तुति देकर समां जोड़ा। कलाकारों ने अपनी प्रतिभा के माध्यम से लोकगीतों, केशभूषा, सांस्कृति का परिचय देकर 16 कवियों से आए स्वयंसेवकों सहित अन्य दर्शकों को हरियाणवी सांस्कृति से जोड़ा, जिससे कलाकारों ने खूब तालियां बटोरी। इसके अलावा कलाकारों ने रंग बरक कर हरियाणवी रहन-सहन से लेकर जीवन शैली का परिचय दिया। इसी प्रकार, शिविर के दूसरे दिन प्रातःकाल विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय सभागार में

युवा व प्रचीन भारत विषय पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसमें मुख्य वक्ता के तौर पर समाजसेवी कृष्ण कुमार रहे। उन्होंने बताया कि आज के युवाओं को यदि जिम्मेदार नागरिक बनना है तो शुरू में ही उनको कर्तव्यों का बोध करवाना आवश्यक है। इसके अलावा मुख्य वक्ता ने सांस्कृति के दो पहलू त्याग व सेवा को आधार बताया। उन्होंने बताया कि हमें आर्थिक लाभ को सुधारने की बजाय सर्वप्रथम सांस्कृतिक लाभ को सुधारने की जरूरत है। इससे पूर्व छात्र कल्याण निदेशक डॉ. अतुल खिंगड़ा ने सभी का स्वागत किया, जबकि कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस.के. फाजुजा ने धन्यवाद प्रस्ताव पढ़ाया। इस दौरान राष्ट्रीय सेवा योजना अंबाई डॉ. भगत सिंह, डॉ. चंद्रशेखर खगर सहित अन्य एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी भी मौजूद रहे।